कान्हा तेरी जोहत रह गयी बाट भजन लिरिक्स

कान्हा तेरी जोहत रह गयी बाट,
जोहत रह गई बाट।bd।

जोहत जोहत इक पग ठाड़ी,
जोहत जोहत इक पग ठाड़ी,
कालिंदी के घाट,
कान्हा तोरी जोहत रह गयी बाट,
जोहत रह गई बाट।bd।

झूठी प्रीत करी मनमोहन,
झूठी प्रीत करी मनमोहन,
या कपटी की बात,
कान्हा तोरी जोहत रह गयी बाट,
जोहत रह गई बाट।bd।

मीरा के प्रभु गिरधर नागर,
मीरा के प्रभु गिरधर नागर,
दे गयो ब्रज को चात,
कान्हा तोरी जोहत रह गयी बाट,
जोहत रह गई बाट।bd।

कान्हा तेरी जोहत रह गयी बाट,
जोहत रह गई बाट।bd।

Upload By – Varsha Rathod

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com